भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1625 का उत्तर

कर्नाटक के लिए नई रेल परियोजनाएं

1625. श्री सुनील बोस:
श्री जगदीश शट्टर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक के लिए वर्ष 2017 से स्वीकृत नई रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) उपरोक्त में से कितनी परियोजनाएं प्रगति पर हैं, उन पर अब तक कितनी राशि व्यय की गई है और सरकार द्वारा इन्हें समय पर पूरा करने के लिए परियोजना-वार क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;
(ग) कर्नाटक में कितनी रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण और अनुमोदन हो चुका है, लेकिन उक्त परियोजनाओं का कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है;
(घ) बेलगावि-कित्तूर धारवाड़ नई रेल लाइन की नवीनतम स्थिति क्या है और उक्त लाइन संबंधी कार्य के पूरा होने की समय-सीमा क्या है; और
(ङ) क्या विलंब के कारण परियोजनाओं की अनुमानित लागत में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): कित्तूर के रास्ते धारवाड-बेलगाम (बेलगावि) नई लाइन परियोजना (73 किमी) को 50:50 लागत भागीदारी आधार और कर्नाटक सरकार द्वारा नि:शुल्क भूमि मुहैया कराए जाने

पर स्वीकृत की गई है। यह परियोजना कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुकी हुई है।

<u>कर्नाटक :-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹835 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹7,564 करोड़ (9 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली वाली ₹42,517 करोड़ की लागत से 3,264 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	2,034	421	8,794
दोहरीकरण/बहुपथन	10	1,230	973	12,516
कुल	25	3,264	1,394	21,310

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलोर नई लाइन (167 किलोमीटर)	1,290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1,543
4	शिवानी-होसदुर्ग रोड दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50
5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143

6	होसदुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नासंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108
9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95
10	नेत्रावती-मंगलौर सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कन्कनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकुर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
15	हुबली-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1,850

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	होसपेट - हुबली - लोंडा - वास्को - द - गामा दोहरीकरण (312 किलोमीटर)	4,153
2	होटगी - गदग दोहरीकरण (284 किलोमीटर)	2,459
3	गिणिगेरा - रायचूर नई लाइन (165 किलोमीटर)	3,401
4	गदग - वाडी नई लाइन (257 किलोमीटर)	2,842
5	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 किलोमीटर)	1,649
6	तुमकुर - चित्रदुर्ग-रायदुर्ग नई लाइन (207 किलोमीटर)	2,496
7	तुमकुर - दावणगेरे नई लाइन (182 किलोमीटर)	2,142
8	कडूर - चिकमगलूर-बेलूर नई लाइन (68 किलोमीटर)	825
9	बैयप्पनहल्ली - होसुर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	336
10	यशवंतपुर - चन्नासंद्रा दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	314

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 7,239 किलोमीटर लंबाई को कवर करने वाले 65 सर्वेक्षण कार्यों (25 नई लाइन और 40 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है।

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है: -

क्र. सं.	परियोजना	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	शिमोगा- राणिबेन्नुर नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	226	333
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन (79 किलोमीटर)	488	0	488
4	व्हाइटफील्ड-कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन-बेलूर नई लाइन (27 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	9,020 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	5,679 हेक्टेयर (63%)
अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि	3,341 हेक्टेयर (37%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल सफलता पश्चिम कर्नाटक के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम छोर तक संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का आवर्धन

- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि

ये सभी कारक परियोजना/(ओं) के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****